विविधता संग विकास एवं वैश्विक शान्ति

Development with Diversity and Global Peace

https://doie.org/10.10427/VP.2025447513

शांति के आधार हैं कल्याण वृत्ति के संस्कार, आवासीय संसाधन, संचार संसाधन, पेय जल, पोषण। भारत में लगभग 70% आबादी गांव में है। समाज, प्रांत, और राष्ट्र के सेवक शासकों का कर्तव्य है कि वे उत्तरोत्तर विकासशील तकनीकी की मदद से जल शोधन, जल संचयन, मल मुक्त नदी, यातायात साधनों को सुगम सुखद बनाने की दिशा में काम करें। कर्मशील संस्कारित युवा निर्माण में परिवार और स्कूल अच्छे संस्कार और विद्या प्रदान करें। शासक जनता से संपर्क साधते रहें। समस्याओं का समाधान करते रहें। उच्च शिक्षा रोजगार परक हो, विश्वस्तरीय हो।

भारत में बहुतेरे नवीन कार्य बड़े पैमाने पर हुए हैं। परमाणु परीक्षण, हरित क्रांति, कोरोना काल में अपनी वैक्सीन बनाना, आदि उल्लेखनीय हैं। भारत के करीब 100 करोड़ लोगों को भारत निर्मित वैक्सीन लगवायी गई, और अन्य पिछड़े देशों को भी मुफ्त भेजी गई। बाढ़, तूफान, भूकम्प की विनाशकारी परिस्थितियों में गरीब, अमीर सभी देशों की हर संभव मदद की।

भारत में गरीबों को राशन, मकान बनवाकर देने की, कृषि क्षेत्र में मूल्य बढ़ोतरी, उर्वरक, ड्रोन से कीटनाशक, जल आदि के छिड़काव, डिजिटल ऐप पर फसल भाव लेने, किसान सम्मान निधि पाने की विविध योजनाएं चल रहीं हैं। रेल में उच्चस्तरीय सुविधाओं से आम आदमी को भी विकास का सुख मिलता है। गांव गांव तक सड़कें बन गई हैं। स्वास्थ्य सुधार की दिशा में भारतीय जन औषधि परियोजना, आयुष्मान भारत प्रमुख परियोजनाएं हैं।

रक्षा क्षेत्र में, आयुध आयात से निर्यात मार्ग पर तेजी से बढ़ चले हैं।

अंतरिक्ष में चंद्रयान, आदित्य L1 उल्लेखनीय हैं। अब अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी करीब 98% आत्मनिर्भर है। ISRO कमाने वाली संस्था बन गया है। SpaDex (Space Docking Experiment) सफल रहा। गगनयान मिशन पर का हो रहा है।

NEP 2020 के कार्यान्वयन से स्कूल शिक्षा में सुधार हो रहे हैं। सभी स्नातक कोर्स चार वर्ष के होंगे। स्नातकोत्तर शिक्षा में सभी रिसर्च जर्नल का यूजीसी की One Nation, One Subscription योजना से देश के सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों में शोधार्थी लाभान्वित होंगे। सभी स्नातक (graduation) 4 वर्षीय पाठ्यक्रम से उच्च शिक्षा में एकरूपता रहेगी।

हिन्दी में भी गुणवत्तापूर्ण रिसर्च जर्नल प्रकाशित हो रहे हैं। उल्लेखनीय है हिन्दी में गुणावत्तापूर्ण रिसर्च जर्नल ugc-care लिस्टेड विज्ञान प्रकाश (www.vigyanprakash.in) है।

इनोवेशन और रिसर्च के क्षेत्र में समय समय पर महत्वपूर्ण आविष्कार होते रहे हैं। कई शिक्षा संस्थान विश्वस्तरीय बने, विश्व में रिसर्च पब्लिकेशन तीसरे पायदान पर है। वैश्विक इनोवेशन सूचकांक 39 हो गया है। यूनिकॉर्न भी बढ़ रहे हैं। 1.5 लाख से अधिक स्टार्टअप रजिस्टर कर चुके हैं। अनुसंधान को बढ़ाने में भी योजनाएं उल्लेखनीय है। अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (ANRF) के सीईओ के कार्यभार संभालने के बाद विश्वविद्यालयों, कॉलेजों में रिसर्च एवं विकास कार्यों को प्रोत्साहन एवं गति मिलेगी।

वैश्विक शान्ति आसान नहीं है। देशों के बीच तनाव और युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। भारत के प्रयासों से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और 21 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस घोषित किए गए हैं।

वैश्विक शान्ति की दिशा में ये परोक्ष प्रयास उल्लेखनीय हैं। विश्व शान्ति की दिशा में कई देश भारत की ओर देख रहे हैं क्योंकि भारत सभी से उभरती तकनीकी और व्यापार विनिमय प्रोत्साहन के क्षेत्रों में मैत्री बनाए रखता है।

प्रयागराज महा कुंभ आस्था का शान्तिमय, सद्भावमय, एकता एवं संस्कृतियों के संगम का प्रतीक है। प्रशासन के सहयोग से सभी को सुविधा होती है और इसके सनातन महत्व को समझने में भी मदद मिलती है। महा कुम्भ 13 जनवरी से 26 फरवरी में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने अमृत स्नान किए। प्रशासन ने तकनीकी और प्रबंध कौशल से इसे भव्य बनाया। विश्वस्तर पर इसकी चर्चा हो रही है।

उभरती टैक्नोलॉजी ने सूक्ष्मतर और बृहत्तर कार्य सम्पादन की सीमाओं को उत्तरोत्तर विस्तार दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) से नई क्रान्ति का उद्भव हुआ है। बहुत तेजी से जटिल कार्यों को करना, प्रश्नों के सही और सुबोध नीतिपरक उत्तर पाना आसान हो गया है। Chatbot बड़े भाषा मॉडल पर आधारित है जिससे मानव भाषा की समझ और अभिव्यक्ति मानव के समान है, बहुत तेजी से और सटीक। Open AI का ChatGPT, माइक्रोसॉफ्ट का Copilot, गूगल का Gemini उल्लेखनीय हैं। इसके परिणाम स्वरूप कोडिंग के जॉब तो कम होंगे, लेकिन नए नवाचार पथ भी प्रशस्त होंगे। नवाचार के साथ नए स्किल सैट की ट्रेनिंग की व्यवस्था आवश्यक होगी। उद्यमिता की ललक, टीम सहयोग वृत्ति, नेतृत्व क्षमता जैसे गुण अपेक्षित हैं।

चीन में विकसित मानव संवाद AI Chatbot DeepSeek चर्चा में है। तकनीकी शुद्धता अधिक है, सटीक, सुबोध, उत्तर देता है, ओपन सोर्स भी उपलब्ध है। भारत भी India AI Mission के अंतर्गत अपना संदर्भ परक, बहुभाषी मानव संवाद AI Chatbot बनाने जा रहा है। 10 फरवरी 2025 को पेरिस में AI Action Summit में भारत ने सह–अध्यक्षता की। AI मानवता, सुरक्षा, समाज, समृद्धि के क्षेत्रों में कोडिंग कर विश्वस्तरीय समस्याओं का समाधान देने में समर्थ होगा। सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को पाने में आसानी होगी। जॉब के प्रकार बदलेंगे जिनके लिए नए कौशल संवर्धन हेतु ट्रेनिंग प्रोग्राम की व्यवस्था आवश्यक होगी। इसके लिए वैश्विक स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता होगी।

भारत ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत बनाया है। UPI से देश विदेश में लेन देन आसान होगा।

नवीकरणीय एवं हरित ऊर्जा के सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोगैस आदि क्षेत्रों में भी अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग से अनुसंधान और प्रयोग पर बल दिया जा रहा है। 2016 में हरियाणा में International Solar Alliance की स्थापना की गई। कोशिश है कि विश्व स्तर पर अंधेरा न रहे। हाइपरलूप ट्रेन, हाइड्रोजन ट्रेन के विकास से नए कीर्तिमान भी स्थापित होंगे।

भारत सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के साथ नवाचारमय तकनीकी से समृद्धि की ओर बढ़ रहा है, और अन्य देशों की भी मदद कर रहा है। स्वच्छता जन अभियान से बेहतर स्वास्थ्य, और साइबर सुरक्षा जागरूकता से सुरक्षित कमाई संभव है।

वैज्ञानिकों का नैतिक दायित्व है कि नवाचार विश्व कल्याण और शान्ति की दिशा में हो।

ओम विकास

dr.omvikas@gmail.com